इस बिल के द्वारा यह दिखाने का प्रयत्न किया गया है कि वास्तव मे चुनाव निष्पक्ष नहीं हो रहा है । अगर निष्पक्ष नही हो रहा है तो उस को निष्पक्ष बनाने की किस की जिम्मेदारी है। अगर उस के लिये संविधान में संशोधन की आवश्यकता है तो वह होना चाहिये। अगर एक इलेक्शन कमिश्नर उस को नही देख पा रहा है तो कई इलेक्शन कमिश्नर बैठाये जायें। जो हम को संविधान मिला है हम को गौरव होता है कि हमारे सविधान निर्माताओं ने इस बात को सोचा है कि आदमी को निष्पक्ष न्याय मिले और निष्पक्ष चुनाव कराने वाला एक अलग इलेक्शन कमीशन हो । आप ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के साथ जो किया वह यहां न दोहराया जाये। आप के कारनामो के कारण ए० आई० आर० बदनाम है। वह इंदिरा रेडियो कहलाता है। सुप्रीम कोर्ट के जजेज बदनाम हैं कि जैसा चाहेंगे फैसला करा लेंगे। इसलिये एक कामप्रीहेंसिव बिल ला कर ऐसा वातावरण देश मे तैयार कराइये जिस से आप की तरफ कोई उंगली न उठाये और आगे आने वाली पीढी यह न कहे कि केवल कुर्सी मे रहने के लिये सत्ता का दुरुपयोग कर के अपने हिसाब से इलेक्शन कमीशन और सुप्रीम कोर्ट तथा हाई कोर्ट के जजेज को रखा और आल इंडिया रेडियो मे अपना ही प्रचार कराते रहे तथा अपने पैसे से अखबारो को खरीद कर प्रचार कराते रहे और सत्ता मे बने रहने के लिये जितने नाजायज काम हो सकते हो कर रहे। इसलिये आप इस बिल को अच्छी तरह से देखें, समझें और इस को स्वीकार करें।

सभापति महोदय : आज की कार्य सूची के 3 और 4 मद के अनुसार श्री मधु लिमये को अपने दो बिल यहां पुरःस्थापित करने थे। किन्तु वह यहां नही थे। इसलिये उन्हें पुरःस्थापित करने की मैं विशेष अनुमति देता हूं।

17.05 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of Article 352)

श्री मधु लिमये : (बांका) : सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि भारत के सविधान का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाय।

सभापति महोदय : प्रश्न यह है कि श्री मधु लिमये को भारत के सविधान का और संशोधन करने वाले विधयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाये ?

The motion was adopted

श्री मधु लिमये : सभापति महोदय, मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूं।

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(AMENDMENT OF ARTICLE 359)

श्री मधु लिमये बांका: सभापति महोदय मैं प्रस्ताव करता हूं कि भारत के सविधान का, और संशोधन करने वाले विधयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाये ।

सभापति महोदय प्रश्न यह है कि श्री मधु लिमये को भारत के संविधान का और संशोधन करने वाले विधयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाये ।

The motion was **adpted.**

श्री मधु लिमये मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूं ।

*Published in Gazette of India Extraordinary Part II, section 2, dated